

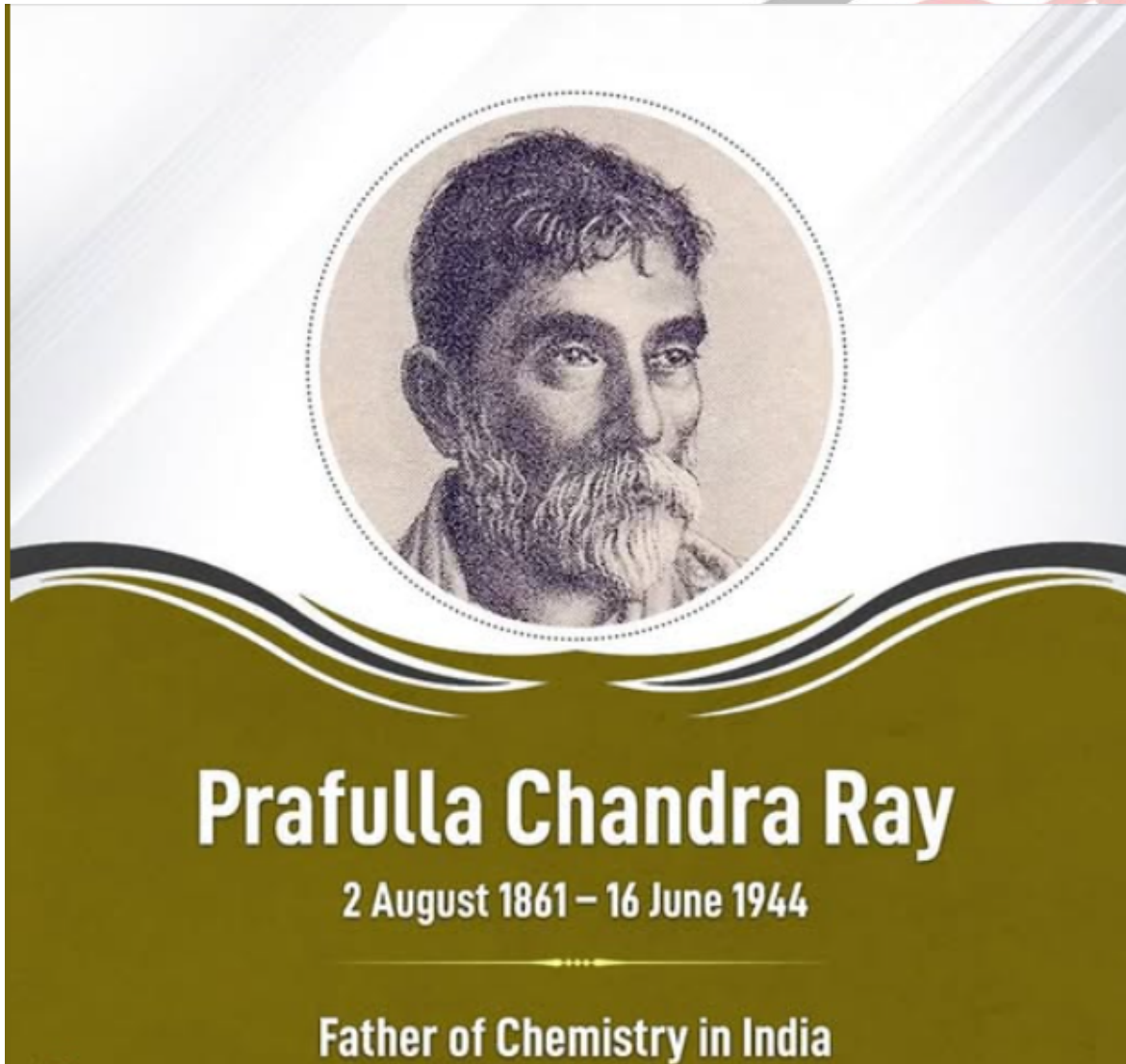
आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की 164वीं जयंती पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मुख्य बंदि

- आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:



- प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944) एक प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक और शिक्षक थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्ताओं में से

एक थे। इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप में जाना जाता है।

- मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण, उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फरि कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।

■ कार्य:

- उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
- एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतर्बद्ध थे और उन्होंने **वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
- राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
- वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जातिव्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।

■ पुरस्कार एवं सम्मान:

- ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी (Companion of the Indian Empire- CIE)** की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
- वर्ष 1920 में उन्हें **भारतीय विज्ञान कांग्रेस** का अध्यक्ष चुना गया।
- 2 अगस्त, 1961 को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/acharya-prafulla-chandra-ray-2>

